प्रथमः पाठः

संस्कृत-वर्णमाला

वर्णमाला का अर्थ है– वर्णों (अक्षरों) का समूह (माला)। वर्ण भाषा की सबसे छोटी-इकाई होते हैं। इन्हें दो भागों में बाँटा जाता है– स्वर एवं व्यंजन। संस्कृत वर्णमाला में 13 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं।

स्वर

जिन वर्णों के उच्चारण में अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें **स्वर** कहते हैं। ये 13 होते हैं, जो निम्नलिखित हैं–

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ ए ऐ ओ औ

स्वरों को निम्न प्रकार बाँटा गया है–

स्वर

ह्रस्व	दीर्घ	संयुक्त
(अ, इ, उ, ऋ, लृ)	(आ, ई, ऊ, ॠ)	(ए, ऐ, ओ, औ)

- संयुक्त स्वर दीर्घ स्वरों के अंतर्गत ही आते हैं।
- अब संस्कृत भाषा में 11 स्वरों का ही प्रयोग किया जाता है। 'ॠ' एवं 'लृ' स्वर का प्रयोग नहीं किया जाता है।

अ

अश्वः – घोड़ा

आ

आपणः – दुकान

इ

इत्रम् – सुगंध

ई 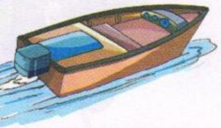

ईरनौका – मोटर बोट

उ

उपवनम् – बाग

ऊ

ऊर्णा – ऊन

ऋ

ऋषिः

ॠ

ॡ

ए

1

एकः – एक

ऐ

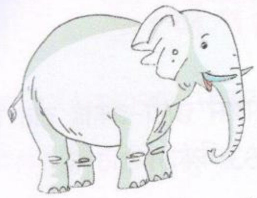

ऐरावतः – ऐरावत हाथी

ओ

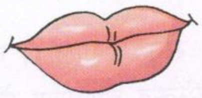

ओष्ठः – होंठ

औ

औषधम् – दवाई

व्यंजन

जिन वर्णों के उच्चारण में हमें किसी स्वर वर्ण की सहायता लेनी पड़े, उन्हें व्यंजन कहते हैं। ये 33 होते हैं, जो निम्नलिखित हैं–

कवर्गः	क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
चवर्गः	च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
टवर्गः	ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
तवर्गः	त्	थ्	द्	ध्	न्
पवर्गः	प्	फ्	ब्	भ्	म्
×	य्	र्	ल्	व्	×
×	श्	ष्	स्	ह्	×

व्यंजनों को तीन भागों में बाँटा गया है–

व्यंजन

- स्पर्श व्यंजन (क् से म् तक)
- अन्तःस्थ व्यंजन (य्, र्, ल्, व्)
- ऊष्म व्यंजन (श्, ष्, स्, ह्)

क्

काकः – कौआ

ख्

खगः – पक्षी

ग्

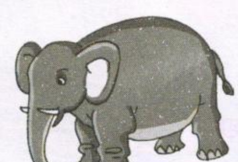

गजः – हाथी

घ्

घण्टिका – घंटी

ङ्

च्

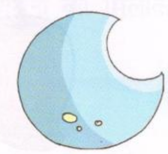

चन्द्रः – चाँद

छ्

छात्रः – विद्यार्थी

ज्

जालम् – जाल

झ्

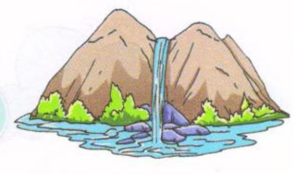

झरः – झरना

ञ्

ट्

टोपिका – टोपी

ठ्

ठालिनी – करधनी

ड्

डालिमः – अनार

ढ्

ढौलः – ढोल

ण्

त्

तरुः – पेड़

थ्

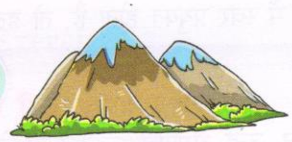

थः – पहाड़

द्

दुग्धम् – दूध

ध्

ध्वजः – (झंडा)

न्

नौका – नाव

प्

पुष्पम् – फूल

फ्
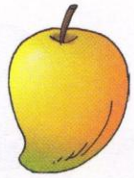
फलम् – फल

ब्

बकः – बगुला

भ्
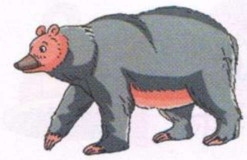
भल्लुकः – भालू

म्

मेघः – बादल

य्

याचकः – भिखारी

र्
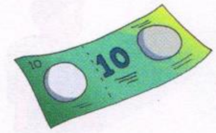

रूप्यकम् – रुपया

ल्

लेखनी – कलम

व्

वानरः – बन्दर

श्

शुकः – तोता

ष्

षण्डः – साँड

स्
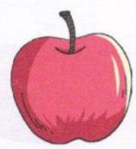
सेवम् – सेब

ह्
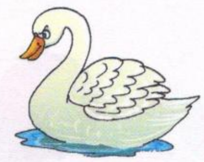
हंसः – हंस

- प्रत्येक व्यंजन स्वर रहित होता है इसलिए उसके नीचे हलंत (्) का चिह्न लगा होता है।
- जब किसी व्यंजन में स्वर प्रयुक्त होता है, तो हलंत (्) चिह्न का लोप हो जाता है।

अयोगवाह

जो वर्ण न स्वर होते हैं और न व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। ये दो होते हैं, 'अनुस्वार' और 'विसर्ग'। इनका स्वतन्त्र रूप से प्रयोग नहीं होता है। इन्हें '—ं' तथा ':' चिह्नों से प्रकट किया जाता है।

संयुक्त व्यंजन

जो व्यंजन दो व्यंजनों को जोड़कर बनाए जाते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ये निम्नलिखित हैं–

क्ष् = क् + ष्,	त्र् = त् + र्,	ज्ञ् = ज् + ञ्,	श्र् = श् + र्,
द्य् = द् + य्	द्ध् = द् + ध्,	प्र् = प् + र्,	क्त् = क् + त् इत्यादि।

संयुक्त व्यंजन संस्कृत वर्णमाला का भाग नहीं होते हैं, क्योंकि इन्हें दो व्यंजनों को मिलाकर बनाया जाता है।

वर्ण-संयोजन या वर्ण-संयोग

स्वर एवं व्यंजन वर्णों को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को वर्ण्जा-संयोजन या वर्ण-संयोग कहते हैं। जैसे–

ज्	+	अ	+	ल्	+	अ	+	म्								=	जलम्
क्	+	अ	+	म्	+	अ	+	ल्	+	अ	+	म्				=	कमलम्
न्	+	अ	+	द्	+	ई										=	नदी
प्	+	इ	+	त्	+	आ										=	पिता
भ्	+	अ	+	ग्	+	इ	+	न्	+	ई						=	भगिनी

वर्ण-विच्छेद या वर्ण-वियोजन

किसी शब्द में प्रयुक्त स्वर एवं व्यंजनों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया को वर्ण-विच्छेद या वर्ण-वियोजन कहते हैं। जैसे–

धनम्	=	ध्	+	अ	+	न्	+	अ	+	म्			
पत्रम्	=	प्	+	अ	+	त्	+	र्	+	अ्	+	म्	
विद्या	=	व्	+	इ	+	द्	+	य्	+	आ			
प्रजा	=	प्	+	र्	+	अ	+	ज्	+	आ			
आम्रम्	=	आ	+	म्	+	र्	+	अ	+	म्			

विशेष

- वर्ण-संयोजन में स्वर एवं व्यंजन वर्णों का मेल होता है।
- स्वर एवं व्यंजनों के सार्थक समूह को 'शब्द' कहते हैं।
- स्वर एवं व्यंजनों को अलग-अलग करने पर वर्ण-विच्छेद होता है।

अभ्यासाः (Exercises)

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–
विकल्पों से सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए–
Choose the correct answer from the options and fill in the blanks.

(*i*) संस्कृत वर्णमाला में कुल स्वर .... होते हैं।
(क) 11 ☐ (ख) 33 ☐ (ग) 13 ☐

(*ii*) अयोगवाह .... होते हैं।
(क) तीन ☐ (ख) पाँच ☐ (ग) दो ☐

(*iii*) जिन वर्णों के उच्चारण में अन्य वर्णों की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें .... कहते हैं।
(क) व्यंजन ☐ (ख) स्वर ☐ (ग) अयोगवाह ☐

(*iv*) स्वर एवं व्यंजनों को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को .... कहते हैं।
(क) वर्ण-विच्छेद ☐ (ख) वर्ण-संयोजन ☐ (ग) हलन्त ☐

(*v*) 'य् र् ल् व्' व्यंजनों को .... कहते हैं।
(क) ऊष्म व्यंजन ☐ (ख) अन्त:स्थ व्यंजन ☐ (ग) स्पर्श व्यंजन ☐

2. अधोप्रदत्तवर्णान् उचितस्तम्भे लिखत–
नीचे दिए गए वर्णों को उचित-स्तम्भ में लिखिए–
Write the following letters in the correct coloumn.

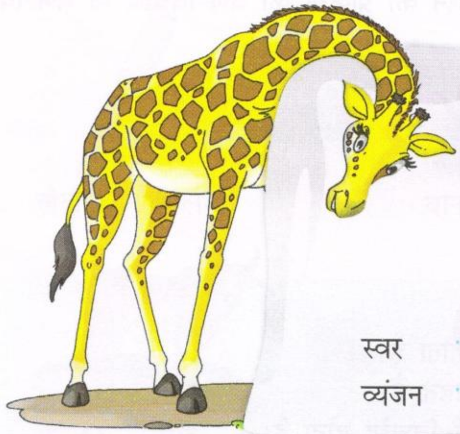

ऋ ए क् औ
ट् द् इ व्

स्वर ....
व्यंजन ....

3. प्रदत्तपदानां हिन्दीपर्यायं विकल्पेभ्य: चित्वा लिखत–
दिए गए शब्दों के हिंदी पर्याय विकल्पों से चुनकर लिखिए–
Write the Hindi synonyms of the given words choosing from the options.

(*i*) इत्र .... (क) उपवन (ख) सुगंध (ग) ईंट
(*ii*) ऊर्णा .... (क) बंदर (ख) ऊन (ग) गन्ना
(*iii*) सेवम् .... (क) सेब (ख) मूली (ग) अनार
(*iv*) डालिम: .... (क) फल (ख) संतरा (ग) अनार
(*v*) वानर: .... (क) बंदर (ख) बगुला (ग) जानवर

4. अधोलिखितानां चित्राणां नामानि मञ्जूषायाः चित्वा लिखत–

निम्नलिखित चित्रों के नाम मंजूषा से चुनकर लिखिए–

Write the names of the following pictures choosing from the box.

मञ्जूषा–	भल्लुकः,	जालम्,	अश्वः,	षण्डः,	टोपिका,	काकः

(*i*) ....

(*ii*) ....

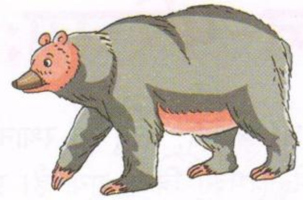

(*iii*) ....

(*iv*) ....

(*v*) ....

(*vi*) ....

5. व्यञ्जनैः सह स्वरान् मेलयत–

व्यंजनों के साथ स्वरों को मिलाइए–

Join the consonants with vowels.

(*i*) प् + इ = ...   (*ii*) त् + ऊ = ...

(*iii*) क् + ऋ = ...   (*iv*) न् + औ = ...

क्रियाकलापाः (Activities)

अपनी कक्षा में से पाँच वस्तुओं के नाम चुनिए तथा उनका वर्ण-विच्छेद कीजिए। जैसे–

श्यामपट्टः = श् + य् + आ + म् + अ + प् + अ + ट् + ट् + अः

(*i*) ....

(*ii*) ....

(*iii*) ....

(*iv*) ....

(*v*) ....